भजन

तर्ज–तेरे संग जीना

देखी माया तेरी देखा सपना
इक लाड में तेरे हम तो भूल गए घर अपना

1– बेनियाज थी हम तो अर्श में,
तेरी साहेबी को हमने न जाना
कौन हम हैं धनी कौन हमारे,
आके माया में मर्म ये जाना

2– तेरे चरणों में मेरा बसेरा,
कैसे टूटेगा नाता वो मेरा
लाख चाहें हमें गर भुलाना,
हक से काम कभी ये न होगा

3– हाथ थामा है तुमने जो मेरा,
हम न छोड़ेंगे दामन ये तेरा
पिया कब तक लगाओगे डेरा,
जिया लागे यहां अब न मेरा